महत्वपूर्ण एवं खास

मामी की प्रताड़ना से तंग आकर भांजी ने की खुदकुशी

बलरामपुर (आरएनएस)। बलरामपुर जिले के बलंगी में 12वीं कक्षा की छात्रा द्वारा आग लगाकर आत्महत्या कर लेने के मामलें में पुलिस ने मृतका की मामी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मामी की प्रताडऩा से तंग आकर छात्रा ने मिट्टी तेल डालकर घर में ही आग लगाकर आत्महत्या कर लिया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतिका यानी भांजी शिवमती विश्वकर्मा कक्षा 12वीं की छात्रा थी और मां की मौत और पिता के पागल हो जाने के बाद अपने मामा-मामी के घर में भाई बहनों के साथ रहकर पढ़ाई करती थी, इस दौरान उसकी मामी छात्रा को शारीरिक और मानसिक प्रताडऩा भी देती थी। मामी की प्रताडऩा से पेरशान होकर छात्रा ने मिट्टी तेल डालकर आग लगा लिया था और इस घटना से पहले अपनी सहेलियों को उसने यह बात बताई थी। मामले में बलंगी पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही थी। पुलिस की टीम ने जब मृतिका के सहेलियों का बयान दर्ज किया, तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। जिसके बाद पुलिस ने मृतका की मामी प्रेम कुमारी को गिरफ्तार करते कर उसके खिलाफ धारा 306 के तहत कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री ने हिन्दू नववर्ष कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित हिंदू नववर्ष कैलेंडर का विमोचन किया । इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष जे. के. उपाध्याय, मैनेजिंग ट्रस्टी अतुल तिवारी एवँ सदस्यगण उपस्थित थे। उपाध्याय ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा पहली बार हिन्दू नववर्ष पर आधारित कैलेंडर का निर्माण किया गया है, जिसमें तीज-त्यौहारों, तिथियों और शुभ मुहूर्तों का विधिवत उल्लेख किया गया है । उन्होंने ट्रस्ट के कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि चित्रकूट एवँ रावतपुरा धाम में संस्कृत स्कूलों की स्थापना की गयी है, जहाँ विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा के साथ ही नि:शुल्क भोजन और आवास की सुविधायें उपलब्ध है । यहां विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ ही भारत की पुरातन संस्कृति एवँ समृद्ध परम्पराओं की भी जानकारी दी जाती है ।

मुख्यमंत्री बघेल ने साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार परितोष चक्रवर्ती के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार परितोष चक्रवर्ती के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। परितोष चक्रवर्ती का आज सवेरे रायपुर में निधन हो गया। मुख्यमंत्री बघेल ने चक्रवर्ती के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि परितोष चक्रवर्ती ने आजीवन पत्रकारिता और साहित्य की सेवा की। वे अंतिम समय तक सक्रिय रहे, उनका निधन पत्रकारिता और साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

नगर सैनिक ने फ ांसी लगाकर की खुदकुशी

भिलाई (आरएनएस)। दुर्ग जिले में पदस्थ एक नगर सैनिक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को शव के पास से 2 पन्नो का सुसाइड नोट भी मिला है। बताया जा रहा है कि नगर सैनिक मानसिक प्रताडऩा से तंग आकर आत्महत्या की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, दुर्ग डिपरापारा निवासी नगर सैनिक तुलाराम धुर्वे (52) ने शुक्रवार सुबह 8.45 बजे घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिजनों ने जब उसे फंदे पर झूलता देखा तो नीचे उतारकर अस्पताल ले गए। जहाँ डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस को स्मी जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया है कि लाश के पास से 2 पन्नो का सुसाइड नोट मिला है।

बस्तर में देशी शराब के लिए बदनाम मंहुआ औषधिय गुणों व पूजा अनुष्ठान में बहुपयोगी

जगदलपुर । आरएनएस

बस्तर संभाग में एक अनुमान के अनुसार एक लाख क्विंटल से भी अधिक मंहुआ का संग्रहण किया जाता है। वनोपज मंहुआ से स्थानिय जनजातिय समुदाय इसका उपयोग देशी शराब बनाने में ज्यादा करते हैं, सीमित मात्रा में मंहुआ के देशी शराब बनाने एवं उपयोग करने की बस्तर में छूट प्राप्त है, इसीलिए बस्तर में मंहुआ देशी शराब के नाम से बदनाम है, लेकिन आयुर्वेद में मंहुआ औषधिय गुणों की खान है। बस्तर के जनजातिय समुदाय और वनोपज मंहुआ दोनों एक दूसरे के पूरक हैं, जनजातिय समुदाय में जन्म से लेकर मृत्यु तक मंहुआ वृक्ष के फल फूल व पत्तियों का विशेष महत्व होता है, महुआ के बिना समाज की शादी विवाह जैसी कई परंपराएं अधूरी होती है। इस वृक्ष के बहुपयोगी होने के कारण जनजातीय समाज इस वृक्ष को पवित्र मानता है। देवी-देवता की पूजा में इसके पत्तों का उपयोग करता है। आदिवासी समाज इस वृक्ष पर न तो कभी चढ़ता है और न ही कभी काटता है, ना ही इस वृक्ष के पास शौच ही किया जाता है।

महुआ वृक्ष की पत्तियां साल भर हरी रहती हैं, इसीलिये इसे हरियाली का प्रतीक माना गया है। हिंदू समाज में वैदिक रीति से और सामाजिक रीति से होने वाले विवाह में मंडपाच्छादन में गांव के पुजारी द्वारा एक डगाली इस वृक्ष की भी गाड़ी जाती है। बस्तर के जनजाति

समुदाय के साथ ही हर समाज, हर वर्ग की शादियों में मण्डपाच्छादन के समय इसकी एक न एक डगाल जरूर गाड़ी जाती है। कमरछट (हलशष्टी) पूजा विधान में लाई के साथ महुआ मिलाकर प्रसाद बनाया जाता है। वहीं आयुर्वेद में मंहुआ के एंटी-माइक्रोबियल गुण इंफेक्शन से निजात दलिाने में सहायक है। आंत से जुड़ी बीमारियों और डायरयिा में इसके पेड़ की छाल से तैयार काढ़ा आराम पहुंचाता है। मसूड़ों में हल्की सूजन और खून आने पर महुआ की छाल के अर्क व छाल के अर्क के साथ गरारे करना टॉन्सिल में भी कारगर है। डायरिया में छाल का सत्व आराम पहुंचाता है। पेड की छाल में पाया जाने वाला टैनिन नामक कैमकिल घाव सुखाने में मदद करता है। आयुष चिकित्सक डॉ. चंद्रभान वर्मा के अनुसार महुआ के बीज में बड़ी मात्रा में पाया जाने वाला तेल प्रोटीन से भरपूर होता है। महुआ के बीज से मिलने वाले फैट में औषधीय गुण होते हैं। इसके तेल से त्वचा रोगों और शरीर के दर्द में मालिश सहित त्वचा रोग, गठिया, सिरदर्द, रेचक और बवासीर में भी लाभकारी है।

इन दिनों बस्तर के वनांचल में इसके पेड मंहुए के फूलों से लदे हुए हैं, वनांचल मंहुआ के फूलो की खुशबू से महक रहा है। महुआ फूल संग्रहण के लिए ग्रामीण अल सुबह ही जंगलों की ओर रुख कर रहे हैं। ताकि अधिक से अधिक मात्रा में पेड़ से गिरते महुआ फूल संग्रहित कर सके। ग्रामीण के एक-एक फूलों को संग्रहित कर घर के आंगन में लाकर सप्ताह भर तक अच्छी तरह सूखाते हैं। और अपनी आवश्यकता के अनुरूप बेचकर आर्थिक आय प्राप्त करते हैं। सदियों से वनांचल के लोगों के लिए महुआ फूल एक अतिरिक्त आय का जरिया है। महुआ के पेड़ से लेकर फूल, छाल व पत्ते तक सभी उपयोगी है। अलग-अलग बीमारियों के अनुरूप जनजाति समुदाय मंहुआ को औषधि के रूप में उपयोग करता है।

महुआ संग्रहण में जुटे ग्रामीण बुधवारी बाई, शंकर, मंगलू नेताम के अनुसार ग्रामीणों के लिए महुआ पेड़ उनके लिए वरदान की तरह है। महुआ के लकडी, पत्ते, फूल, फल सबका उपयोग होता है। उन्होंने बताया कि 08 से 10 बोरा तक महुआ एकत्र कर लेते हैं, बजार में नया महुआ 28 से 30 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है, आधे महुआ को समय-समय पर बेचकर बाजार अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करते हैं। आधे को घर में सुरक्षित रखते हैं, जिसका देवी-देवताओं को अर्पित करने तीज त्यौहार घर में मेहमान आदि के लिए शराब बनाने में उपयोग होता है।

निशक्तों का सहारा बन रही छत्तीसगढ़ सरकार : समाज कल्याण विभाग के माध्यम से राहत पहुंचाने की जा रही पहल

❍ **समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए किया जा रहा काम**

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में सरकार लगातार अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। राज्य के नि:शक्तों के लिए सरकार सहारा बन रही है। इसके लिए समाज कल्याण विभाग के माध्यम से राहत पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। फिर चाहे वह बुजुर्ग हों, दिव्यांग हों या भिक्षुक अथवा तृतीय लिंग के समुदाय के लोग हों। हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाओं पर काम हो रहा है।

गौरतलब है कि वर्तमान सरकार ने राज्य में नई पहल करते हुए तृतीय लिंग समुदाय के लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोडऩे के लिए सरकारी नौकरियों में उन्हें अवसर देने की शुरुआत की। पुलिस आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के दौरान वर्ष 2021-22 में 13 तृतीय लिंग (उभय लिंगी) समुदाय के व्यक्तियों की नियुक्ति राज्य पुलिस सेवा में की गई। इसके साथ ही उभय लिंगी व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए आश्रय सह पुनर्वास केन्द्र संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। देश में इस प्रकार का यह पहला केन्द्र है, जो उभय लिंगी व्यक्तियों के लिए स्थापित किया जा रहा है। दूसरी ओर वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का निराकरण टेलीफोनिक माध्यम से किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम-2016 के प्रावधानों के अनुसार दिव्यांग व्यक्तियों को पुनर्वास सेवाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक पुनर्वास केन्द्र स्थापित करने का निर्णय किया गया है। इस कड़ी में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, अंबिकापुर एवं जगदलपुर में कुल पांच भवनों का निर्माण किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए वर्ष 2022-23 में 100 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। इधर विभागीय गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं अतिसंवेदनशील हितग्राहियों को एक ही परिसर में सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नवा रायपुर अटल नगर में राज्यस्तरीय कार्यालय स्थापित करने के लिए दो एकड़ भूखण्ड पर बाधारहित भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में पांच करोड़ रुपये का बजट प्रावधान प्रस्तावित है।

बुजुर्गों के लिए देखभाल गृह - वृद्धावस्था के कारण गंभीर बीमारी जैसे डेमेन्शिया या बिस्तर पर निष्क्रिय अवस्था में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों को चिकित्सकीय सुविधा तथा देख-रेख के लिए प्रशासक देखरेख गृह की स्थापना दुर्ग, कबीरधाम एवं बालोद जिले में की गई। यहां वर्तमान में 44 हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं।

रासेयो की सात छात्राएं बी प्रमाण पत्र के लिए पात्र

कोरबा। सरकारी गर्ल्स कॉलेज कोरबा मैं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के लिए बी प्रमाण पत्र परीक्षा आयोजित की गई। अधिकारी के रूप में अमोला कोराम कार्यक्रम अधिकारी शासकीय पीजी कॉलेज कोरबा उपस्थित हुई। प्राचार्य और एनएसएस के संरक्षक डॉ राजेंद्र सिंह ने सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दी और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। सी प्रमाण पत्र की तैयारी के लिए छात्राओं को जानकारी दी। जिला संगठक वाईके तिवारी ने सफल परीक्षार्थियों को बधाई दी।

गर्ल्स कॉलेज की कार्यक्रम अधिकारी डॉ डजी कुजुर ने पंजीकृत 7 स्वयंसेवकों को इस परीक्षा के लिए पात्र घोषित किया। बी प्रमाण पत्र परीक्षा के लिए 3 स्वयंसेवकों को शामिल किया गया है, जो महाविद्यालय के नियमि छात्राएं हो और 2 वर्ष से राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का हिस्सा हो। इसी के साथ 240 घंटे की गतिविधियों और 7 दिन के विशेष प्रशिक्षण में उनकी भागीदारी भी होना चाहिए। सत्र 2020 21 और 2021-22 के लिए महाविद्यालय की छात्रा आरती गिरी, हेमा देवांगन, प्रिया साहू, दुर्गा यादव, प्रेरणा बरेट सलीना बानो, सविता चक्रवर्ती बी प्रमाण पत्र परीक्षा के लिए क्वालीफाई हुई हैं। परीक्षा संचालन में स्वयंसेवक प्रिया राजपूत का सक्रिय योगदान रहा।

हिंदू नव वर्ष और प्रतिपदा उत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मनाया गया

❍ **सुभाष ब्लाक से मुड़ापार बस्ती में हुआ आरएसएस का पथ संचलन**

कोरबा। हिंदू नव वर्ष और प्रतिपदा उत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा परंपरागत तरीके से मनाया गया। भगत सिंह उपनगर में इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों के द्वारा पथ संचलन निकाला गया। विभिन्न क्षेत्रों के स्वयं सेवकों की भागीदारी इस आयोजन में दर्ज हुई। भगवान राम के राज्याभिषेक, विक्रम संवत की शुरुआत और हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में यह उत्सव आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा भगत सिंह नगर क्षेत्र में सुबह 7 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के स्वयंसेवक शामिल हुए। दंड योग और शारीरिक अभ्यास के बाद सुभाष ब्लॉक खेल मैदान से पथ संचलन निकाला गया। मुख्य मार्ग और मुड़ापारा बस्ती होते हुए आयोजन स्थल पर इसका समापन हुआ।

टीवी देखने के बहाने पत्नी को कमरे में लाकर चाकू से गोदा

कोरबा। पारिवारिक विवाद को लेकर पति अपने पत्नी को कमरे में टीवी देखने के बहाने ले गया। यहां उसने टीवी का साउंड बढ़ा दिया और उसके बाद पत्नी पर एक के बाद एक चाकू से कई बार कर दिया। घटना के वक्त आरोपित गांजे के नशे में था। लहूलुहान अवस्था में महिला को उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां चिकित्सक ने उसे 40 टांके लगाए।

यह घटना मानिकपुर पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले चिमनीभट्ठा इलाके का है। यहां रहने वाले नारायण पटेल के यहां एक सप्ताह बाद शादी है। इसमें शामिल होने अपने भी सहारन पटेल 41 वर्ष को बुलाया था। ग्राम कोथारी में रहने वाला सहारन अपनी पत्नी गीता पटेल 38 वर्ष व दो बच्चों के साथ पहुंचा था। भतीजे की शादी में शामिल होने पहुंचा सहारन का पत्नी के साथ कुछ विवाद हो गया। वह पत्नी को बहला फुसला कर टीवी दिखाने के बहाने कमरे के अंदर ले गया और वहां पत्नी की चीखें कमरे के बाहर सुनाई न दे, इसलिए टीवी का साउंड बढ़ा दिया। इसके बाद गीता देवी के सिर व चेहरे पर चाकू से उसने कई वार कर दिए। महिला चीखने लगीए तो आवाज सुन कर घर के लोग भी कमरे में भाग कर पहुंचे। मगर अंदर से दरवाजा बंद था और कोई अंदर नहीं जा सका। थोड़ी देर में गीता ने किसी तरह दरवाजा खोल कर बाहर निकली, तब जाकर उसकी जान बची। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित सहारन भाग निकला। गंभीर अवस्था में गीता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला धारा 307 के तहत पंजीबद्ध कर फरार आरोपित की तलाश शुरु की, तो मौसी के घर मोतीसागर पारा में मिला। घायल महिला गीता का कहना है कि उसका पति शंकालू है। गांजे के नशे में आए दिन मारपीट करता है। ऐसा पहली बार हुआ, जब उसने चाकू से हमला किया है। उसने बताया कि टीवी देखने के बहाने से कमरे के अंदर उसका पति ले गया तो हाथ में अंगूर का प्लेट रखा था। वह सोच भी नहीं सकी कि उसके इरादे इतने खतरनाक हैं।

शार्ट सर्किट की वजह ट्रक में लगी आग

कोरबा। ग्राम परला के पास एक ट्रक में एकाएक आग लग गई । ट्रक रायपुर से बिहार की ओर जा रहा था उसमें कपड़े और राशन का सामान लोड था। मोरगा पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन देखते ही देखते पूरी ट्रक खाक हो गई।

यह हादसा मोरगा चौकी के पास स्थित ग्राम परला में घटित हुई। ट्रक क्रमांक सीजी 04 जे डी 7477 का चालक कृष्णमूर्ति पिता स्वर्गीय ठाकुर सिंह बिहार के जहानाबाद का रहने वाला है वह रायपुर से राशन व कपड़े लेकर बिहार जा रहा था। शुक्रवार की दोपहर 12.00 बजे ग्राम परला के पास उसकी गाड़ी काफी गर्म हो गई जिससे वह गाड़ी को सडक़ किनारे खड़ा कर दिया देखते ही देखते ट्रक धु-धु कर जलने लगगई। हवा काफी तेज होने की वजह से सडक़ किनारे अन्य मकानों में भी आग की लपटों नेघेर लिया जिसकी वजह से 4 से 5 मकान आग में गिर गए । घटना की जानकारी मोरगा चौकी को दी गई । वहां की टीम घटनास्थल पर पहुंची । उन्होंने किसी तरह ट्यूबेल की मदद से आसपास के घरों में लगे आपको बुझाने का प्रयास शुरू किया। किसी तरह घरों के आगे आग को बुझाया गया, लेकिन ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था। शार्ट सर्किट की वजह से आग लगना बताया जा रहा है । समय रहते ड्राइवर ने ट्रक को खड़ा कर दिया था वरना इस घटना में उसकी जान भी जा सकती थी फायर ब्रिगेड को भी फोन किया गया था लेकिन जब तक फायर ब्रिगेड राख में बदल चुका था।

कलेक्टर ने दर्री -गोपालपुर और इमली छापर- सर्वमंगला सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

❍ **दर्री रोड का निर्माण कार्य कल से होगा आरंभ, 25 दिन में काम पूरा करने के दिए निर्देश**

❍ **इमलीछापर-सर्वमंगला रोड निर्माण के कार्य को दो माह के भीतर पूरा करने के भी निर्देश**

❍ **गुणवत्ता पूर्ण तरीके से समय सीमा में निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए भी किया निर्देशित**

कोरबा। कलेक्टर रानू साहू ने सडक़ निर्माण के कार्यों का जायजा लेने दर्री गोपालपुर और इमली छापर सर्वमंगला सडक़ का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद चौक से गोपालपुर तक बनने वाले सडक़ निर्माण का जायजा लिया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद चौक तरफ से सडक़ निर्माण कार्य को कल से शुरू करने के निर्देश मौके पर मौजूद ठेकेदारों और निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने दर्री बरॉज के सडक़ निर्माण कार्य को 25 दिन में पूरा करने के निर्देश मौके पर मौजूद ठेकेदारों को दिए। दर्री बरॉज के सडक़ निर्माण को तेजी से पूरा करने के लिए आज से ट्रैफिक को डायवर्ट किया जायेगा। कलेक्टर साहू ने सडक़ निर्माण के कार्य को गुणवत्ता पूर्ण तरीके से समय सीमा में पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अधिक संख्या में टीम लगाकर तेजी से काम करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर साहू ने इमली छापर सर्वमंगला सडक़ निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदार और अधिकारियों से इमलीछापर-सर्वमंगला सडक़ निर्माण के कार्य को दो माह के भीतर पूरा करने के निर्देश मौके पर ही दिए। उन्होंने विभिन्न जगहों पर रुक कर निर्माण कार्य का जायजा लिया। साहू ने पैच वाइस अधिक टीम लगाकर निर्माण कार्य को पूरा करते हुए आगे बढऩे के निर्देश दिए। कलेक्टर साहू ने सडक़ में गड्ढों को 2 दिन के भीतर समतलीकरण कर सुलभ आवागमन लायक बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने फोरलेन सडक़ के एक साइड का काम तेजी से पूरा कर आवागमन को सुलभ बनाने के भी निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक, ईई पीडब्ल्यूडी ए.के.वर्मा सहित सडक़ निर्माण कार्य में लगे संबंधित ठेकेदार और अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर साहू ने जिले में सडक़ निर्माण के कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए थे। उन्होंने लोगों के आवागमन को अबाध रहित बनाने के लिए समय सीमा में सडक़ निर्माण के कार्यों को पूर्ण करने के लिए भी निर्देशित किया था।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे निश्चित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU